सदा जपिये—

आनन्द
धाम
गौड़ीय
आश्रम,
वृन्दावन

**हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।**
**हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे॥**

और खुश रहिए।